भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने एयरपोर्ट्स मैनेजमेंट प्रोफेशनल एक्रेडिटेशन प्रोग्राम (AMPAP) हेतु 115 से अधिक हवाई अड्डा पेशेवरों को प्रशिक्षित करने हेतु एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (ACI)-आईसीएओ के साथ एक ऐतिहासिक समझौता पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 29 जनवरी 2026: भारत के वैश्विक विमानन नेतृत्व को मज़बूत करने की दिशा में एक बड़े कदम के तौर पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) ने भारत में प्रतिष्ठित 'एयरपोर्ट्स मैनेजमेंट प्रोफेशनल एक्रेडिटेशन प्रोग्राम' (AMPAP) को लागू करने के लिए 'एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल' (ACI) के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया है।

यह रणनीतिक सहयोग भारत की राष्ट्र-निर्माण की यात्रा में एक निर्णायक क्षण है और विश्व-स्तरीय विमानन प्रशासन, नेतृत्व और क्षमता-निर्माण के प्रति देश की प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करता है।

विश्व में 120 देशों के 1,400 से ज़्यादा एविएशन प्रोफेशनल्स ने प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एविएशन प्रोफेशनल (IAP) का दर्जा हासिल किया है। भारत में पहले ही 173 आईएपी हैं, इसके साथ यह देश धीरे-धीरे ग्लोबल एविएशन लीडरशिप में एक अहम योगदानकर्ता के तौर पर उभर रहा है। भाविप्रा-एसीआई की साझेदारी इस गति को और तेज़ करेगी।

इस समझौते के अंतर्गत भाविप्रा अगले पाँच वर्षों में 115 से अधिक अतिरिक्त एविएशन प्रोफेशनल्स के लिए AMPAP ट्रेनिंग की सुविधा देगा, जिससे ऐसे एविएशन लीडर्स की एक मज़बूत व्यवस्था तैयार होगी जिन्हें दुनिया भर में तैनात किया जा सके और जो भविष्य के लिए तैयार हों। प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त आईएपी का दर्जा मिलेगा, जो एयरपोर्ट लीडरशिप और मैनेजमेंट में उत्कृष्टता का प्रतीक है।

यह पहल पेशेवरों को हवाई अड्डे के अर्थशास्त्र, संधारणीयता, सुरक्षा, लचीलेपन, नवाचार और रणनीतिक नेतृत्व के क्षेत्र में उन्नत दक्षताओं से सशक्त बनाएगी, ये ऐसी क्षमताएँ हैं जो उस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हैं जब भारत का विमानन क्षेत्र अभूतपूर्व विस्तार के दौर से गुज़र रहा है।

यह समझौता औपचारिक रूप से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री विपिन कुमार और एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल तथा आईसीएओ के ग्लोबल डायरेक्टर श्री गुरजीत गिल के बीच, नागर विमानन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू, नागर विमानन मंत्रालय के सचिव श्री समीर कुमार सिन्हा और अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में 29 जनवरी 2026 को बेगमपेट हवाई अड्डे के स्काईलाइन थिएटर में 'विंग्स इंडिया 2026' के दौरान संपन्न हुआ। यह पहल नागर विमानन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू के दूरदर्शी और सुधार-उन्मुख नेतृत्व में संभव हो सकी है; संस्थागत क्षमता निर्माण और वैश्विक मानकों (ग्लोबल बेंचमार्किंग) पर उनका निरंतर ध्यान भारत के विमानन क्षेत्र में निरंतर बदलाव ला रहा है।

इस अवसर पर भाविप्रा ने विमानन विकास के एक मुख्य आधार के तौर पर ह्यूमन कैपिटल को विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि की। भाविप्रा ने कहा कि भारत के तेज़ी से बढ़ते एयरपोर्ट अवसंरचना विस्तार और प्रचालन उत्कृष्टता को बनाए रखने के लिए विश्व स्तर के अनुरूप नेतृत्व ज़रूरी है।

यह सहयोग भारत को न केवल दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते विमानन बाज़ारों के रूप में स्थापित करेगा, बल्कि विमानन ज्ञान, नेतृत्व और बेहतर अभ्यास के लिए एक भरोसेमंद वैश्विक केंद्र के रूप में भी पहचान दिलाएगा। यह 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय लक्ष्य में सार्थक योगदान देगा और वैश्विक विमानन के भविष्य को आकार देने में भारत की भूमिका को और मज़बूत करेगा।

जारीकर्ता
निगमित संचार निदेशालय, भाविप्रा द्वारा जारी
विस्तृत विवरण के लिए कृपया संपर्क करें: महाप्रबंधक (निगमित संचार) 011-20818228
प्रेस विज्ञप्ति सं. 13/2025-26